

चक्र TRIK. 3, 2, 29. — ÇAT. BR. 4, 1, 2, 25, 7, 4, 2, 17, 8, 5, 2, 7. रश्मिभिर्किं
मण्डलं पृथि 9, 2, 8, 14. आ मण्डलदर्शनात् ÅCV. GRHJ. 3, 7, 6, 4. MAITRUP.
6, 16. सूर्य 30. MBH. 3, 16902. 4, 312. R. 1, 65, 34. Spr. 900. SŪRJAS. 12,
17, 14, 24. KATHĀS. 48, 5. Gīt. 1, 18. RĀGA-TAR. 4, 401. घर्क ०, चन्द्र ०
VARĀH. BRH. S. 3, 8, 46, 86. SŪRJAS. 2, 9, 4, 1, 10, 15, 11, 17. यत्कलुषे-
न्दुमण्डला विभावरी MĀLAV. 74. KATHĀS. 16, 77. PĀNĒAT. 161, 18. PRA-
SĀNGĀBH. 13, a. आदर्श ० Spiegelscheibe KIR. 3, 41. des Auges ÇAT. BR. 12,
2, 4, 15. दृष्टि ० Suçr. 4, 118, 10. पोत्र ० (beim Eber) Rr. 4, 17. कण ० RAGH.
12, 98. गाण्ड ० Vet. in LA. (II) 13, 13. स्तन ० Rr. 1, 8. Spr. 161. 2833. 3330.
Çiç. 9, 66. HALĀ. 2, 387. डाटा ० R. 2, 22, 13. ÇĀK. 170. मैलि ० (beim Scha-
kal) PĀNĒAT. 230, 18. अश्म ० KAUC. 53. केश ० 36. घृकुण्ड ० (चक्र) MBH. 1,
1178. रथान्मण्डलचक्रान् R. 2, 70, 29. आबद्धमण्डलं नागम् Som. NALA
106. सुरगृहाः — सुष्टप्राकारमण्डलाः RĀGA-TAR. 6, 307. डुकित्रा — स्फु-
रत्प्रभामण्डलया KUMĀRAS. 1, 24. KATHĀS. 21, 18. कृपा ० RAGH. 4, 5. गगन ०
PRAB. 21, 12. तमा ० Spr. 4000. धू ० BHĀG. P. 3, 28, 32. दन्तणं ज्ञानमण्डलं
पृथिव्या प्रतिष्ठाप्य LALIT. ed. Calc. 16, 3. असंख्येया हि रामस्य सायका-
श्चापमण्डलात् । विनिप्रेतुः so v. a. vom gespannten Bogen R. 3, 31, 19;
vgl. मण्डलकामुक, मण्डलीकर und मण्डलीभू दग्धास्थिस्थान ० R. SCHL.
2, 77, n. संसार ० TATTVAS. 46. देश ० eine runde Bissicunde Suçr. 2, 279,
10. मण्डलेष्टका TS. 3, 3, 9, 2. ein rundes Mal LĀTJ. 9, 9, 4. eine runde
von Fingernägeln herrührende Wunde oder Verletzung ÇĀBDAM. im ÇKDr.
मण्डलात्प्रक्रमणम् aus dem Kreise KĀTJ. Çr. 16, 7, 30. 17, 1, 5. ० प्रवेश
ÇĀKĀH. GRHJ. 6, 2, 3. SŪRJAS. 3, 1, 6, 2, 3, 21, 22, 11, 1, 13, 15. मण्डलेन
im Kreise KĀM. NĪTIS. 10, 7. MEGR. 37. H. 281. चेतुश्चरितं चित्रं मण्डलैः स-
व्यदन्तिषीः R. 6, 79, 54. मण्डलान्याचरन्त्यु (so die ed. Bomb.) MBH. 6,
2367. तथैव चरतो मार्गान्मण्डलानि च सर्वशः (so die ed. Bomb.) 7, 595.
तौ वृषाविव नर्दन्तौ मण्डलानि विचरन्तुः 596. fg. 608. 9, 3267. fg. 3272.
BHĀG. P. 5, 23, 2. दन्तिषां मण्डलं राजन्यार्तराष्ट्रे ऽभ्यवर्तत MBH. 9, 3199.
fg. ततः सव्यं दन्तिषां च मण्डलं स (मण्डलानि ed. Calc.) परिभ्रमन् HARIV.
4297. सव्यं मण्डलमाश्रित्य बलदेवस्तु दन्तिषाम् । प्राकृता ततो ऽन्यो-
ऽन्यम् 3107. सव्यं मण्डलमागमत् 13213. fg. गृह्मण्डलवर्तनैः BHĀG. P.
7, 11, 26. चकार मण्डलं तत्र विबुधानां प्रदन्तिषाम् er unwandelte die Götter
von links nach rechts (der Schol. lässt विबुधानाम् von मण्डलम् abhän-
gen, welches er durch समुदायम् erklärt) MBH. 1, 7700. 7702. मण्डलमा-
वधत्ता मृगा विकृता वा VARĀH. BRH. S. 46, 67. प्रतिलोममण्डलचराः श्ये-
नाद्याः 69. चतुर्मण्डलावस्थानं सिक्तस्य PĀNĒAT. 9, 14. द्वितीयमण्डलभागिन्
16, 2. मण्डलमालिष्य WEBER, RĀMAT. Up. 314. VARĀH. BRH. S. 48, 24.
KATHĀS. 20, 51. 110. 37, 62. 38, 59. 64. Z. d. d. m. G. 9, 673. RĀGA-TAR.
2, 102. कुट्टिया च मण्डलं कृत्वा तत्र गणेशादिगौरवं दर्शयित्वा HIT. ed.
JOHNS. 1237 (ed. SCHL. 59, 22). रक्तपुष्पमण्डलं कृत्वा Vet. in LA. (II) 10,
20. Verz. d. B. H. No. 920. Verz. d. Oxf. H. 93, b, 40. BURN. Intr. 523.
537. WASSILJEV 184. Bahn (eines Himmelskörpers) SŪRJAS. 12, 76. 80.
fem.: दिश्वण्डली Inscr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 308, Çl. 34.
व्यूतकरमण्डली कृत्वा MĀKĀH. 31, 12. वातस्य मण्डली Wirbelwind HA-
LĀ. 1, 77. — b) n. ein Hof um die Sonne oder den Mond AK. 4, 1, 2, 34.
TRIK. 3, 3, 405. fg. H. 101. H. an. MED. HALĀ. 1, 41. VIÇVA a. a. O. प-
रिवेषमण्डलगतो रवितनयः VARĀH. BRH. S. 34, 12. पञ्चादिषु मण्डलस्थेषु
17. परिवेषो द्विमण्डलः 10. — c) n. ein kreisförmiger Verband Suçr. 1,
V. Theil.

63, 17. 66, 1. — d) n. sg. und pl. ein best. Hautausschlag mit runden
Flecken H. 467. H. an. MED. VIÇVA a. a. O. Suçr. 1, 31, 17. 92, 15. 267,
15. 2, 62, 17. 65, 16. — e) m. eine kreisförmige Aufstellung der Truppen
H. 747, Sch. मण्डलः स मरुच्यूको डुर्भेयो ऽमित्रघातिनाम् MBH. 6, 3354.
fg. KĀM. NĪTIS. 10, 41. 53. ० व्यूह 30. neutr.: तिर्णवृत्तिश्च दण्डः स्याद्वेगो
ऽन्वावृत्तिरेव च । मण्डलं सर्वतोवृत्तिः पृथग्वृत्तिरसंकृतः ॥ KĀM. NĪTIS.
bei BHAR. zu AK. ÇKDr.; vgl. 19, 43 in der gedr. Ausg. und die Scho-
lion dazu, wo मण्डलः gedruckt ist. — f) n. eine best. Stellung beim
Schliessen H. 777. DHANURVEDA beim Schol. मण्डलाकारभ्यां पादाभ्यां
मण्डलं स्थानमीरितम् ÇĀBDAR. im ÇKDr. — g) n. Kreis so v. a. District,
Gebiet, Reich, Land; = देश TRIK. H. 947. H. an. MED. VIÇVA a. a. O.
AV. PARIÇ. in Verz. d. B. H. 93 (37). RĀGA-TAR. 2, 7, 3, 262. Spr. 1314.
व्यातः क्ष्मातलमण्डलेषु DUCRTAS. in LA. 68, 14. येनेष्टं राजसूयेन मण्डल-
स्येश्वरश्च यः । शास्ति यश्चाज्ञया राज्ञः स सम्राट् AK. 2, 8, 4, 3. सर्वमण्डल-
स्येशः H. 691. अखिलं चारिमण्डलम् RAGH. 4, 4. रक्त ० vom Reiche —
von den Unterthanen geliebt (zugleich eine rothe Scheibe habend) Spr.
3630. अखण्डमण्डला adj. RĀGA-TAR. 6, 260. व्यञ्जयलोकितं चैव मण्डलैर्द-
शभिः (= कुदराज्यैः Schol.) सह MBH. 2, 1025. RĀGA-TAR. 4, 177. मण्डलं
भारताख्यं Verz. d. Oxf. H. 239, a, 5. काश्मीराख्यं मण्डलम् 6. काश्मीरा
इति मण्डलम् RĀGA-TAR. 1, 27. काश्मीर ० MBH. 3, 10545. 13, 1695. मयुरा
Verz. d. Oxf. H. 128, b, 33. मालव ० Inscr. in Journ. of the Am. Or. S.
6, 306, Çl. 21. HALL ebend. 7, 37. fem.: वक्ष्माण्डो मण्डलीमात्रं किं लो-
भाय मनस्विनः Spr. 1993. — h) n. der Kreis der näheren und entfer-
nerten Nachbarn eines Fürsten, deren politische Beziehungen zu einan-
der und zu ihm er auf eine für ihn vortheilhafte Weise zu regeln und
zu unterhalten bestrebt sein muss; es werden vier, sechs, zehn und
auch zwölf solcher Fürsten angenommen; = द्वादश राजानः द्वादशराजका
H. an. MED. VIÇVA a. a. O. अरिर्मित्रमुदासीनो ऽन्तरस्तत्परः परः । क-
मशो मण्डलं चित्तं सामादिभिरुपायैः JĀG. 1, 344. M. 7, 154. 156. 207.
मण्डलानि च बुध्येथाः परेपामात्मनस्तथा । उदासीनगणानां च मध्यस्थानां
च ॥ MBH. 13, 214. 218. KĀM. NĪTIS. 8, 1. fg. 17. 30. fg. 83. fg. घष्टात-
रशतं वेतन्मण्डलं कवयो विदुः 27. Vgl. u. प्रकृति 4. — i) n. Kreis so
v. a. Gesellschaft, Gruppe, Schaar, Menge, Gesamtheit; = गण, नि-
वृह, संघात, कदम्बक TRIK. H. 1411. H. an. MED. (m. f. n.). HALĀ. 4, 2.
VIÇVA a. a. O. मण्डलैः (= सैन्यैः Schol.) प्रचरिष्यति देशे देशे पृथक्पृथक्
HARIV. 11199. धूर्त ० Spielerkreis JĀG. 2, 204. यूत ० der Kreis, in dem
gespielt wird, Spielerkreis MBH. 2, 3615. मुनि ० HARIV. 2860. पटु
10345. द्विज ० 11277. कापिलम् MBH. 12, 7891. सचिव ० R. 2, 101, 14.
सखी ० Gīt. 8, 11. स्त्रीणां मण्डलमण्डनः BHĀG. P. 3, 2, 34. राज ० MĀK. P.
124, 9. 123, 23. मूर्ख ० PĀNĒAT. III, 224. सार्य ० MBH. 3, 2546. प्रकृति ० R.
2, 113, 15. KĀM. NĪTIS. 8, 25. मधुव्रत ० Bienenschwarm Gīt. 2, 1. आश्रम
MBH. 3, 2464. 2498. BHĀG. P. 3, 4, 21. तापसाश्रम ० R. 3, 6, 1. स्तूपमण्डलैः
RĀGA-TAR. 1, 102. रथ ० MBH. 7, 1172. भरणोपूर्वं मण्डलमनुचतुष्कम् VA-
RĀH. BRH. S. 9, 10. 20. 32, 8. 16. 23. असकृवातोदतरेणमण्डला (महती) Rr.
1, 10. फेन ० KĀM. NĪTIS. 7, 19. मल्ल ० der ganze Umfang, Gesamtheit
11, 67. स्वरित ० Schol. zu AV. 3, 55 Einl. masc.: अथोदतिश्चन्तर्लो-
घोरा धमर्मण्डलाः RĀGA-TAR. 3, 400. fem.: मुण्डमण्डली Spr. 2738, v. l.
पाण्डित ० Verz. d. B. H. 139, 4 v. u. Verz. d. Oxf. H. 241, a, No. 591. —